“ क्या आप नेटवर्क मार्केटिंग में सफल लीडर बनना चाहते हैं !”

आपको कोई क्यों फॉलो करे ?

“यह पुस्तक विशेष रूप से केआरएस मल्टीप्रो के डिस्ट्रब्युटर्स के लिए लिखी गयी है । यह आपको लीडरशिप की ऐसी बारीकियों को सिखाएगी जिससे आप आसानी से लीडर बनकर नेटवर्क मार्केटिंग के क्षेत्र में अथाह कामयाबी को पाएंगे।

© KRS MULTIPRO PVT. LTD

“ क्या आप नेटवर्क मार्केटिंग में सफल लीडर बनना चाहते हैं ?”

नेटवर्क मार्केटिंग की दुनिया में सफल होने के लिए आपको एक लीडर बनना पड़ेगा। कुछ लोगों में जन्म से ही लीडरशिप के गुण पाए जाते हैं। ऐसे गुण उन्हें विरासत में मिलते है या यूँ कहे उनके खून में पाए जाते है। अन्य लोग ऐसे व्यक्तियों से प्रेरित हो कर लीडरशिप के गुण हासिल करने के लिए लगातार प्रयास करते हैं। कुछ इन गुणों को प्राप्त करने में असफल रह जाते हैं और कुछ लगातार प्रयासों के माध्यम से इन्हें प्राप्त करने में सफल हो जाते हैं।

लीडरशिप एक शक्तिशाली गुण है, जिसमे कई क्षमताएं समावेशित होती हैं जो लीडर की लोकप्रियता को बढ़ाते हैं। नेटवर्क मार्केटिंग में सफल लीडर बनने के लिए आपको लोगों को फॉलोवर बनाने की कला आनी चाहिए। यह आपकी एक ऐसी क्षमता है जिससे लोग आपको लीडर की तरह फॉलो करें और आप लीडरशिप के सोशल प्रोसेस में आगे बढ़ते रहें। बिना फॉलोवर के आप एक भ्रमित यात्री की तरह होते हैं- जो हमेशा भटकता रहता है और कभी अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाता।

“ एक अच्छे लीडर में दूसरों को प्रेरित करने और भविष्य के लीडर को पैदा करने के लिए अपने डाउन-लाइन में लीडरशिप गुणों को पैदा करने की क्षमता होती है ”

आप खुद से पूछें: आपको कोई क्यों फॉलो करे ?

आप ऐसा क्या कर सकते हैं जिससे लोग आपके साथ जुड़कर एक सफल व्यक्ति बन सकें और गर्व कर सकें ?

यहां हम आपको कुछ तरीके बता रहे हैं-

किस तरह के फॉलोवर-

अपने फॉलोवर को पहचाने और उनसे उसी तरह का व्यवहार करें। मशहूर स्कॉलर रॉबर्ट कैली के अनुसार, आप दो तरीके से फॉलोवर की पहचान कर सकते हैं - क्रिटिकल थिंकिंग की योग्यता और एक्टिव पॉजिटिव या पैसिव निगेटिव। व्यावहारिक तौर पर फॉलोवर पांच प्रकार के होते हैं-

1. **तमाशा देखने वाले** (Spectator):

ऐसे लोगों में ऊर्जा कम होती है और वे अपने बारे में नहीं सोचते। उन्हें आपसे निर्देश और प्रेरणा चाहिए। आपकी सोच का ज्यादातर हिस्सा उनके उत्थान और उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ाने के लिए खर्च होता है। यहां आप प्रिंसिपल ऑफ अथॉरिटी का प्रयोग कर सकते हैं। आपकी अथॉरिटी या तो आपकी पोजीशन से आती है या विभिन्न संस्थानों में आपके अनुभव से।

2. **सिपाही** (Soldier):

ये भरपूर ऊर्जा से लबरेज होते हैं और ये आपके लिए पूरी तरह समर्पित होते हैं। ये हालांकि आजाद सोच के मालिक नहीं होते। अगर आप अपनी ऊर्जा का प्रयोग कर उन्हें एक स्पष्ट राह दे दें तो वे उस पर चल सकते हैं। वे आपकी अनुपस्थिति में भी आपका बचाव करते हैं। उनके लिए आपको प्रिंसिपल ऑफ लाइकिंग एंड कमिटमेंट का प्रयोग करने की जरूरत है। उन्हें आप उनके प्रॉमिस के लिए जिम्मेदार बनायें, लक्ष्य के लिए उन्हें प्रेरित करें और आपके प्रति भरोसेमंद रहने के लिए भी। ये आपके प्रयास में मदद करने वाले पहली क़तार के लोग होंगे। वे आपके फॉलोवर बनाने की प्रक्रिया में भी एक्टिव रिक्रूटर्स की तरह काम आएंगे।

3. **विवेकी** (Sophisticated):

ये लोग बीच की स्थिति में होते हैं। ये बड़े जटिल होते हैं -ऊर्जा और सोच के मामले में भी। ये लोग कभी भी अपरंपरागत लीडर ये आईडिया को फॉलो नहीं करते। देखो और इंतजार करो उनकी रणनीति होती है। जब वे देखेंगे कि आपकी लीडरशिप सामूहिक रूप से स्वीकार की जा रही है तो वे भी उस भीड़ में कूद पड़ेंगे।अगर आपकी लीडरशिप फेल हो रही हो तो वे आपको तुरंत छोड़ भी देंगे। उन्हें लीडरशिप को फॉलो करने में सबसे आखिर में रखें।

4. **उद्यमी** (Entreprenur):

वे भरपूर ऊर्जा वाले हर काम में योगदान करने वाले होते हैं। वे अपनी सोच भी रखते हैं। वे आपकी सोच को चुनौती देते हैं और अपने मन की बात करने से नहीं डरते। एक बार उन्हें यह लग जाये कि आपने जो राह चुनी है, वह सही है तो उन्हें सुपरविजन की जरूरत नहीं है। वे समस्या खुद सुलझा सकते हैं। उन्हें फॉलोवर बनाने के लिए आप प्रिंसिपल ऑफ रेसिप्रोसिटी चुन सकते हैं। उन्हें बातचीत में बराबर महत्व दें और फैसले लेने में उन्हें शामिल करें। वे समझदारी से आपका साथ देंगे। बेहतरीन रिजल्ट के लिए उन्हें अपने टास्क में शुरुआती स्तर से ही शामिल करें। उन्हें भावी लीडर की तरह तैयार करें।

5. **विद्रोही** (Rebel):

ये स्वतंत्र सोच वाले निगेटिव लोग होते हैं। ये या तो आपकी राह में रोड़े अटकाएंगे या यह सोचेंगे कि उन जैसे लोगों को लीडर नहीं बनाकर गलत किया गया है। वे आपके हर फैसले का विरोध करेंगे और काम को मुश्किल बनाने की कोशिश करेंगे। इनके लिए आप प्रिंसिपल ऑफ स्कारसिटी का प्रयोग करें। उन्हें ऐसे काम दें जिसमें उन्हें अकेले सोचने की जरूरत पड़े और अपनी क्षमता दिखानी पड़े। अपनी टीम में उन्हें कम से कम महत्व दें।

किस वजह से बनते हैं आपके फॉलोवर-

1. **चरित्र** (Character):

आपका चरित्र लोगों पर बहुत असर डालता है कि वे आपको फॉलो करें या नहीं। क्या आप अपनी बात पर कायम रहते हैं? इससे लोग आपको भरोसेमंद मानते हैं। क्या आप उनके सम्मान, कल्याण और तरक्की के लिए खड़े होते हैं? इससे आप उनकी चिंता करने वाले के रूप में सामने आते हैं? क्या आप स्पष्ट बोलते हैं, खास तौर पर तब भी जब कोई बुरी खबर हो? इससे लोग आप पर भरोसा करते हैं और उनके लिए आपको फॉलो करना आसान होता है।

2. **भावना** (Emotion):

जब आप लोगों में सकारात्मक भावना पैदा करते हैं, तभी लोग आपको फॉलो करते हैं। इसके लिए दो तरीके हैं। पहला लोग आपको तब पसंद करते हैं, जब उनके लिए अच्छा सोचें। वे आपने अपनी पहचान देखते हैं, जब आप मानवीय और साथी दिखते हैं। दूसरी

बात यह कि लोग प्रेरणा लेने में रूचि लेते हैं। जब आप कोई ऐसी पहल करते हैं जिससे उन्हें उम्मीद दिखती है और मुसीबत के समय स्थिरता दिखती है तो वे आपके सपने को अपना मान लेते हैं और अंत तक आपको फॉलो करते हैं।

3. **कार्यशैली** (Working Style):

लोग अपनी रूचि के काम करना चाहते हैं और इसमें वे कई बार स्वार्थी हो जाते हैं। एक लीडर के रूप में आप कॉमन गोल को इंडिविज्युअल गोल में बाँट सकते हैं। लोग उन लीडर को फॉलो करना चाहते हैं जो उनके पर्सनल ग्रोथ में मदद कर सकें। ऐसे लोगों के लिए आप बदले में ग्रोथ और संसाधनों से उनकी मदद कर सकते हैं।

ज्यादा मेहनत करना जरुरी क्यों है?

लीडरशिप एक ऐसी चुनौती है जो लगातार बनी रहती है। अगर आप अपनी भूमिका में फेल होते हैं, तो आपके फॉलोवर ही आपके खिलाफ बोलने लगते हैं। क्या गलत हो रहा है, इस बारे में हवा पूरे माहौल में घूमने लगती है। ऐसे में जब एक व्यक्ति आपको या आपके विजन को फॉलो करने से मना कर देता है। इसके बाद वह आपकी टीम से अलग हो जाता है या काम में मन नहीं लगाता। यह व्यवहार बहुत बुरा हो सकता है। इसके बाद आपके फॉलोवर लगातार कम होने लगते हैं। एक अच्छे लीडर के रूप में आप हर बात का ध्यान रखें, मुद्दों को पहचानें और अपनी फॉलोवर की प्रेरणा को बनाये रखने में जुटे रहें।

एक अच्छे लीडर को एक अच्छा फॉलोवर बनना पड़ता है। आप जीतना सीखेंगे आपकी लीडरशिप क्षमता उतनी ही विकसित होगी। आपको अपने अंदर निरंतर नई क्षमताओं का विकास करना पड़ता है जिससे आप टीम को विकसित कर पातें हैं। एक सफल लीडर बनने के लिए आपको निम्नलिखित कंपीटेंस विकसित करते रहनी चाहिए -

1. **ज्ञान** (Knowledge):

एक ग्रेट फॉलोवर और फ्यूचर लीडर के रूप में कंपीटेंस डेवलप करें। अगर आपकी क्षमता और ज्ञान ज्यादा है तो आपको प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में आपको ज्यादा महत्व मिलेगा। अपनी ज्ञान को लगातार बढ़ाते रहें और इसके लिए अपने अप-लाइन या विशेषज्ञों के साथ सीखना और काम करना पड़ सकता है।

2. **सोच** (Thought):

एक फॉलोवर के रूप में भी आप अपनी सोच को डवलप करें । प्रॉब्लेम्स के बारे में सोचें और संभावित सॉल्यूशन पर विचार करें। अपने सॉल्यूशन को अपने लीडर/अप-लाइन के समाधान से तुलना करें। बिना सुपरविजन के काम करें जिससे लीडर आपको काम दे सके।

3. **ईमानदारी** (Honesty):

आपके सीखने की प्रक्रिया में आपकी ईमानदारी का बड़ा रोल है। आपके लीडर/अप-लाइन को भरोसा होना चहिये कि आप काम के प्रति ईमानदार हैं, साथ ही संसाधनों और संवाद में भी । आपकी टीम भी आपसे रचनात्मक योगदान चाहती है । जहां आपके योगदान से सकारात्मक परिणाम ना आएं वहां निसंकोच आप अपने अप-लाइन से बात कर सकते हैं।

4. **लॉयल्टी** (Loyalty):

कंपनी के प्रति जिम्मेदार और जवाबदेह होना आपके लिए अति आवश्यक है। इससे आप पूरी ऊर्जा और नैतिकता से अपने सहकर्मी से आंख मिला सकते हैं । समस्याओं के समाधान में योगदान कर सकते हैं और मत अलग होने के बाद भी काम में मदद कर सकते हैं। यहां कॉमन गोल ही लॉयल्टी है।

5. **संवाद** (Communication):

एक फॉलोवर और फ्यूचर लीडर के रूप में संवाद पर काबू होना बहुत जरुरी है। उस व्यक्ति को फोलोव करें जिसकी इसमें मास्टरी है। कब बोलना है और कब आपके आत्मसम्मान को चोट पहुंचेगा, इसका अभ्यास करें । आप कैसे संवाद करते हैं, इसी पर आपकी स्वीकार्यता निर्भर करती है।

"आइये केआरएस मल्टीप्रो की सुगम और प्रभावशाली शिक्षण प्रणाली के साथ सफलता की ओर सामूहिक कदम बढ़ाएं।

Start your Career with KRS MULTIPRO BUSINESS ! Start Now !